रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 5 दिसम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 302 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

प्रदेश में जल-पर्यटन का केंद्र बनेगी शिकारा सेवा: मुख्यमंत्री

● कहा-भोपाल में ही पर्यटकों को मिलेगा कश्मीर की डल झील जैसा लुत्फ ● सीएम बोले-प्रदेश के जल-पर्यटन को राष्ट्रीय पटल पर मिलेगी नई पहचान ● बोले-पर्यटकों को प्रकृति की गोद में सुकून के पल बिताने का मिलेगा मौका

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राजा भोज की नगरी भोपाल में लगभग एक हजार साल पहले बने बड़े तालाब में शिकारा नाव सेवा का शुभारंभ ऐतिहासिक अवसर है। इन नवीन 20 शिकारों के माध्यम से पर्यटकों को कश्मीर की प्रसिद्ध डल झील का आनंद, झीलों की नगरी भोपाल में ही मिल जाएगा। शिकारों में पर्यटकों के लिए खान-पान एवं आरामदायक बैठक व्यवस्था की गई है। ये शिकारे प्रदेश के जल-पर्यटन (वॉटर टूरिज्म) को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलवाएंगे। प्रदेशवासी पर्यटन सेवा का लाभ उठाने के लिए आगे आएं।

एम.पी. टूरिज्म, वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों को भी आगे बढ़ा रहा है। शिकारा सेवा का आनंद उठाते हुए पर्यटक स्वदेशी उत्पादों की खरीद भी कर पाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ने वन्य जीवों के पुनर्वास में भी इतिहास रचा है। आज अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस पर कूनो में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को शिकारा नाव सेवा को झंडी दिखाई।

● **शिकारे की सैर का लिया आनंद-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिकारों को फ्लेगऑफ करने के बाद बड़े तालाब में शिकारे की सैर का आनंद लिया और उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और गणमान्य नागरिकों ने शिकारा बोट रेस्टोरेंट से चाय, पोहा, समोसे एवं फलों का जायका लिया। साथ ही फ्लोटिंग बोट मार्केट से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की पारम्परिक कला बाघ और बटिक वस्त्रों, जैविक उत्पादों आदि की खरीदारी भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बोट क्लब पर मौजूद छात्र-छात्राओं के साथ सेल्फी ली और अथितियों के साथ टेलीस्कोप से सूर्य के दर्शन किए। टेलीस्कोप की बोट क्लब पर व्यवस्था वैज्ञानिक पर्यटन को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से आंचलिक विज्ञान केंद्र द्वारा की गई।

भारत पहुंचे पुतिन से गले मिले पीएम मोदी

● एयरपोर्ट पर रिसीव किया,रेड कार्पेट वेलकम दिया ● एक ही गाड़ी में रवाना हुए दोनों,प्राइवेट डिनर दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत पहुंच गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एयरपोर्ट पर उन्हें रिसीव किया। दोनों नेताओं ने एक दूसरे को गले लगाया। मोदी और पुतिन एक ही गाड़ी में बैठकर एयरपोर्ट से रवाना हुए। रूस-यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद पुतिन का यह पहला भारत दौरा है। पीएम मोदी ने उनके सम्मान में एक प्राइवेट डिनर की मेजबानी की। पुतिन करीब 30 घंटे तक भारत में रहेंगे। पुतिन के भारत पहुंचने से पहले रूस के कई मंत्री दिल्ली पहुंच चुके हैं।

क्रांतिसूर्य टंट्या भील को अर्पित की पुष्पाजंलि

इंदौर। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने जनजातीय नायक क्रांतिसूर्य टंट्या भील के बलिदान दिवस पर पुष्पाजंलि अर्पित की। उनका पुण्य स्मरण कर नमन किया। राज्यपाल श्री पटेल ने राजभवन के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ जनजातीय नायक को श्रद्धांजलि दी। राजभवन के बेंक्वेट हॉल में गुरूवार को आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री अरविंद पुरोहित, राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल के पहले अभिभाषण में ही बिगड़ गया माइक सिस्टम

● बिहार में हो गया खेला,13 करोड़ का माइक सिस्टम फेल

पेपरलेस विस के पहले सत्र में टैबलेट ऑन तक नहीं हुआ

पटना (एजेंसी)। 18वीं विधानसभा के लिए चुनकर आए विधायकों के लिए विधानसभा को हाइटेक किया गया। 30 करोड़ रुपए खर्च कर टैबलेट-नए माइक लगे, लेकिन बुधवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान अभिभाषण देने पहुंचे तो माइक सिस्टम फेल हो गया। जिन टैबलेट की बड़ी चर्चा रही। कहा गया कि विधानसभा पेपरलेस हो गया है, वे भी तीन दिन से ऑन नहीं हुए। विधानसभा की पूरी कार्यवाही पहले की तरह कागजी हुई। अध्यादेश पेश करने से लेकर स्पीकर के अभिभाषण तक, सारे काम पेपर से हुए। नए

विधायकों के स्वागत के लिए विधानसभा को हाईटेक बनाया गया था। सेंसर वाले माइक से लेकर विधायकों की सीट के आगे टैबलेट लगाए गए। विधानसभा सूत्रों की माने तो नेशनल ई विधानसभा ऐप के ई-विधान प्रोजेक्ट के तहत इस प्रक्रिया में लगभग 30 करोड़ रुपए खर्च किए गए। 13 करोड़ रुपए अकेले माइक सिस्टम दुरुस्त करने पर खर्च हुए। इसकी क्वालिटी का आलम ये रहा कि सत्र के दौरान राज्यपाल के पहले अभिभाषण में ही पूरा सिस्टम बिगड़ गया।

सरकार नहीं चाहती मैं राष्ट्रपति पुतिन से मिलूं

● राहुल गांधी का गंभीर आरोप,कहा-यह मोदी की इनसिक्योरिटी

विदेशी मेहमान को विपक्षी नेता से न मिलने को कहा जाता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुवार को संसद के शीतकालीन सत्र का चौथा दिन रहा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के भारत दौरे को लेकर संसद पहुंचे लोकसभा में विपक्ष के राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- केंद्र सरकार नहीं चाहती है कि मैं बाहर से आने वाले लोगों से मिलूं। मोदी जी और विदेश मंत्रालय इस नियम का पालन नहीं करते हैं। यह उनकी इनसिक्योरिटी है। राहुल ने कहा- हमारे सभी के साथ रिश्ते हैं। लीडर ऑफ अपोजिशन एक अलग

नजरिया देते हैं। हम भी भारत को रिप्रेजेंट करते हैं। यह सिर्फ सरकार नहीं करती है। राहुल ने कहा आमतौर पर परंपरा है कि जो भी बाहर से आता है, वह लीडर ऑफ अपोजिशन से मिलता है। ऐसा वाजपेयी जी, मनमोहन सिंह जी की सरकारों के दौरान होता था। यह एक परंपरा रही है, लेकिन आजकल विदेशी मेहमान या जब मैं विदेश जाता हूं तो केंद्र सरकार उन्हें लीडर ऑफ अपोजिशन से न मिलने की सलाह देती है। यह उनकी पॉलिसी है और वे हमेशा ऐसा करते हैं। इस बीच, रूस के पहले डिप्टी प्राइम मिनिस्टर डेनिस मंटुरोव गुरुवार सुबह पार्लियामेंट पहुंचे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नड्डा से की भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा से भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नड्डा से मध्यप्रदेश में पीपीपी मॉडल पर प्रारंभ होने वाले चार मेडिकल कॉलेज के भूमि-पूजन के लिए आमंत्रण दिया। यह कार्यक्रम इस माह प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि मध्यप्रदेश में अन्य क्षेत्रों के साथ स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में निरंतर जन सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। अभी और चार नए मेडिकल कॉलेज का भूमि-पूजन कार्यक्रम प्रस्तावित है। इन मेडिकल कॉलेजों की स्थापना पन्ना, बैतूल, कटनी और धार में होगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नड्डा ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आंमत्रण को स्वीकार करते हुए सहमति प्रदान की है। शीघ्र ही तिथि निर्धारित कर 4 नये मेडिकल कॉलेजों का भूमि-पूजन किया जायेगा।

वीआईटी विवि में बिना सहमति लेते हैं ब्लड-यूरिन सैंपल

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में वीआईटी यूनिवर्सिटी को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय छात्रों से एडमिशन के समय एक अनिवार्य कंसेंट बॉन्ड (सहमति पत्र) भरवाता है, जिसके आधार पर संस्थान छात्रों का ब्लड और यूरिन सैंपल जब चाहे ले सकता है और उन्हें स्टोर भी कर सकता है। उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने सदन में बॉन्ड की लाइन पढ़ते हुए बताया कि यह प्रक्रिया बिना वास्तविक सहमति के दबाव में और छात्रों के अधिकारों का उल्लंघन करते हुए की जाती है। हेमंत कटारे ने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश से पहले छात्रों को मजबूरन यह लिखकर देना पड़ता है कि (मैं सहमति देता/देती हूं कि ट्रेसिंग डॉक्टर मेरे रक्त और मूत्र के नमूने एकत्रित और संग्रहित कर सकते हैं और जरूरत पड़ने पर

रिजल्ट बीयू भोपाल को साझा कर सकते हैं।) कटाने कहा कि यह वही संस्थान है, जहां पर बजरंग बली का नाम लिया जाता है, तो कार्रवाई की जाती है। 5 हजार रुपए का फाइन लगाया जाता है।

जांच होगी, दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा- विश्वविद्यालय को धारा 41(1) के तहत नोटिस जारी किया गया है। 7 दिन बाद धारा 41(2) के तहत कठोर कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें विश्वविद्यालय को सरकारी नियंत्रण में लेना शामिल है। इस पर हेमंत कटारे ने कहा- 3 हजार बच्चों का भविष्य बर्बाद न हो, इसलिए छात्र हित में उस एफआईआर को या तो निरस्त किया जाए या वापस लिया जाए। इस पर मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा- मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि एक भी छात्र का भविष्य खराब नहीं होगा, क्योंकि यह विश्वविद्यालय के प्रबंधन के कारण समस्या पैदा हुई है, छात्रों के कारण नहीं हुई है।

बजरंगबली को नाम लिया तो फाइन लगा दिया

कटारे ने कहा कि यहां पर बजरंग बली का नाम लिया जाता है, तो 5 हजार रुपए का फाइन लगाया जाता है। दंडात्मक कार्रवाई की जाती है। 18 जुलाई 2022 को यहां के छात्रों ने बजरंग बली के नाम का स्मरण किया।

ओडिशा में अब रात में भी काम कर सकेंगी महिलाएं

● कॉमर्शियल जगहों पर काम करने के घंटे 9 से 10 किए

लिखित परमीशन देनी होगी

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा विधानसभा ने बुधवार को ओडिशा शॉप्स एंड कॉमर्शियल एस्टेब्लिशमेंट्स बिल 2025 पास किया। अब महिला कर्मचारी ऐसी दुकानों और कॉमर्शियल प्रतिष्ठानों में नाइट शिफ्ट में काम कर सकेंगी। नए बिल में सरकार ने काम के घंटे 9 से बढ़ाकर 10 घंटे किए हैं। राज्य के लेबर मिनिस्टर गणेश राम सिंहखुंटिया ने कहा कि यह बदलाव छोटे बिजनेस के लिए फायदेमंद साबित होंगे। बिल पास होने के दौरान बीजेडी और कांग्रेस ने विरोध करते हुए सदन से वॉकआउट किया। ओडिशा शॉप्स एंड कॉमर्शियल एस्टेब्लिशमेंट्स बिल 2025 में रोजाना काम की समय-सीमा बढ़ाकर 10 घंटे की गई है, लेकिन हफ्ते

में काम करने के घंटे 48 घंटे ही रखे गए हैं। वहीं, ओवरटाइम की लिमिट भी बढ़ाई गई है। पहले कर्मचारी तीन महीने में 50 घंटे ओवरटाइम कर सकते थे, अब 144 घंटे कर सकेंगे।

मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में महू से महिला कांग्रेसियों का काफिला पहुंचा भोपाल

जितेन्द्र वर्मा

भोपाल। मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सांवेर विधानसभा की दबंग नेत्री रीना बोरासी सेतिया का पदभार ग्रहण कार्यक्रम 3 दिसंबर 2025 को भोपाल इंदिरा भवन कांग्रेस कार्यालय में आयोजित हुआ जिसमें महू से महिला कांग्रेस प्रदेश सह सचिव पूर्व प्रभारी बड़वानी जिला महिला कांग्रेस श्रीमती शिखा अमित अग्रवाल के साथ सैकड़ो की संख्या में महिला कांग्रेस की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने इंदौर पहुंचकर भारतीय राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती अल्का लांबा के नेतृत्व में निकाली गई इंदौर से भोपाल तक विशाल वाहन रैली में शिरकत की वरिष्ठ कांग्रेस नेता पंडित गोविंद शर्मा ने बताया

कि महू की महिला नेत्रियों जिसमें प्रमुख रूप से प्रेमलता तिवारी, मंजूलता के स जय नेगी श्वेता डिसूजा श्रीमती आशा देवी प्रीति घानेकर सुशीला दीदी शमा खान सुनीता गोयल बड़वानी जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष और आदिवासी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुभद्रा परमार श्री राजकुमारी यादव धार जिला महिला कांग्रेस के अध्यक्ष एवं धामनोद नगर परिषद की पार्षद श्रीमती चंद्रकला डांगी आदि सैकड़ो महिला कार्यकर्ता एवं युवा एवं वरिष्ठ कांग्रेसियों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला कांग्रेस अल्का लांबा जी एवं नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष महिला कांग्रेस रीना बोरासी सेतिया जी का जोशीले अंदाज में अभिवादन किया एवं सैकड़ो महिला कांग्रेस कार्यकर्ता वाहनों के साथ रैली में सम्मिलित होकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे और शपथ ग्रहण समारोह के साक्षी बने मातृशक्ति के अभूतपूर्व कार्यक्रम में विक्की मल्होत्रा अमित अग्रवाल एवं सचिन राठौर द्वारा वालंटियर के रूप में सेवा प्रदान की गई।

'पटरी की पाठशाला'

विशेष पाठशाला का आयोजन किया गया

जितेन्द्र वर्मा

जीआरपी पुलिस द्वारा 'पटरी की पाठशाला' एवं 'हमारी सवारी भरोसे वाली' अभियान के तहत पीठ रोड स्थित जुग्गी-झोपड़ियों में बच्चों के लिए विशेष पाठशाला का आयोजन किया गया। यह पहल पुलिस अधीक्षक रेल पद्म विलोचन शुक्ल के मार्गदर्शन में चल रही है, जिसके अंतर्गत रेलवे ट्रैक के पास बनी बस्तियों, कालोनियों और स्टेशन परिसर के आसपास रहने वाले व काम करने वाले लोगों को सुरक्षा एवं जागरूकता संबंधी शिक्षा दी जा रही है अभियान के दौरान बच्चों को मूलभूत शिक्षा, सुरक्षा नियमों की जानकारी और रेलवे ट्रैक के आसपास सावधानी बरतने के संदेश दिए गए। जीआरपी टीम द्वारा बताया गया कि यह कार्यक्रम लगातार व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है, ताकि ट्रैक किनारे रहने वाले लोगों में जागरूकता बढ़ाई जा सके और दुर्घटनाओं की रोकथाम हो सके।

दत्त जयंती पर नवनाथ मंदिर मे हुए धार्मिक कार्यक्रमः हवन-पूजन के साथ मंदिर में हुआ महा भंडारे का आयोजन

महेन्द्र मालवीय/रणजीत टाईम्स

बुरहानपुर खकनार के प्राचीन सिद्ध नवनाथ मंदिर पर श्री शके 1947 सावंत 2082 मिति मार्गशीष शुक्ल पुर्णिमा गुरुवार को दत्त जयंती के उपलक्ष्य में विशाल धार्मिक कार्यक्रम और महा भंडारे का आयोजन किया गया ।

नवनाथ मंदिर पुजारी संजय महाराज ने बताया कि आज सुबह दत्त भगवान के प्रतिमा की पूजा-पाठ और महा आरती के बाद 12 से दोपहर पांच बजे तक विशाल भंडारा आयोजित किया गया साथ ही रात्रिकालीन मे दत्त महराज की पालकी दिंडी यात्रा नगर के हर गली मोहल्ले से हर्षोल्लास के साथ निकाली जायेगी क्योंकि देवी-देवताओं में एकमात्र भगवान दत्तात्रेय ऐसे देवता है, जिनमें ब्रह्मा, विष्णु और शिव तीनों का अंश है। ये गुरु और ईश्वर दोनों का स्वरूप माने गए हैं, जिस कारण इन्हें गुरु देवदत्त और परब्रह्म मूर्ति सदुरू भी कहा भी जाता है। प्रतिवर्ष हिंदू पंचांग के अनुसार मार्गशीर्ष माह में अगहन माह की पूर्णिमा पर भगवान दत्तात्रेय की जयंती मनाई जाती है जिसमें महाराष्ट्र सहित गुजरात मध्य प्रदेश के भक्ति जैन शामिल होकर बाबा की महाप्रसादी का लाभ उठाते हैं।

रणजीत टाइम्स

ब्राह्मण महिला के सम्मान में दलित आए मैदान में दलित नेता मनोज परमार ने राजश्री अपोलो हॉस्पिटल का किया घेराव

डॉक्टर की कथित लापरवाही से ब्राह्मण महिला की मौत

आदित्य शर्मा

इंदौर। राजश्री अपोलो हॉस्पिटल में इलाज के दौरान हुई कथित लापरवाही से एक महिला की मौत के बाद बुधवार को अस्पताल में हंगामा हो गया। मृतका कृष्णा बाई पति राकेश जी शर्मा 56 वर्ष निवासी मुसाखेड़ी ब्लॉकेज के कारण राजश्री अपोलो हॉस्पिटल में डॉ. क्षितिज दुबे की देखरेख में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि इलाज में गंभीर लापरवाही बरती गई, जिसके चलते 4/11/25 की सुबह उनकी मृत्यु हो गई l परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि इलाज के दौरान डॉक्टरों और स्टाफ का व्यवहार बेहद अभद्र रहा तथा कई बार मरीज के परिजनों के साथ दुर्व्यवहार किया गया, जिससे परिवारजन आहत और नाराज़ हैं। ओर तो ओर डॉ क्षितिज दुबे द्वारा मृतका पुत्र व्योम शर्मा को हॉस्पिटल से धक्का देकर निकाला गया l पीड़ित परिवार ने दलित नेता

मनोज परमार से संपर्क कर उपरोक्त घटना की जानकारी दी।

घटना की सूचना मिलते ही अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं दलित नेता मनोज परमार अस्पताल पहुंचे और हॉस्पिटल का घेराव प्रदर्शन कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। परमार ने हॉस्पिटल प्रबंधक एवं पुलिस अधिकारियों से कहा कि डॉ. क्षितिज दुबे पर मुकदमा दर्ज कर पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा दिया जाए, ताकि न्याय मिल सके। दलित नेता साथी कार्यकर्ताओं को लेकर थाना विजय नगर पहुंचे और थाना प्रभारी मीना बोरासी को डॉ क्षितिज दुबे के खिलाफ आवेदन दिया, साथ ही कड़ी कार्यवाही की मांग की, उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उचित कार्रवाई नहीं की गई तो संपूर्ण दलित समाज सड़क पर उतरकर चक्काजाम और उग्र आंदोलन करेगा। घटना के बाद अस्पताल परिसर में तनाव का माहौल बना हुआ है। मामले की जांच जारी है। इसी दौरान अस्पताल प्रबंधन ने मृतक परिवार द्वारा जमा किया गया पूर्ण पैसा वापस पीड़ित परिवार को दे दिया गया। आंदोलन प्रदर्शन में मुख्य रूप से दिनेश हिरवे, पवन भावसार, दिनेश कुलपारे, शैलेन्द्र जायसवाल, उदय यादव, आनन्द नायक, रवि सोलंकी, भारत बिल्लौरे, सन्नी तिवारी, राज परमार, गौरव वानखेडे, विवेक राय, सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे l

गुजरात यूथ कांग्रेस चुनाव : वटवा से 25 वर्षीय अभिषेक शर्मा की ऐतिहासिक जीत

रोहित जैन

गुजरात यूथ कांग्रेस के चुनाव नतीजों में इस बार वटवा विधानसभा क्षेत्र से इतिहास लिखा गया है। मात्र 25 वर्ष की आयु में अभिषेक शर्मा

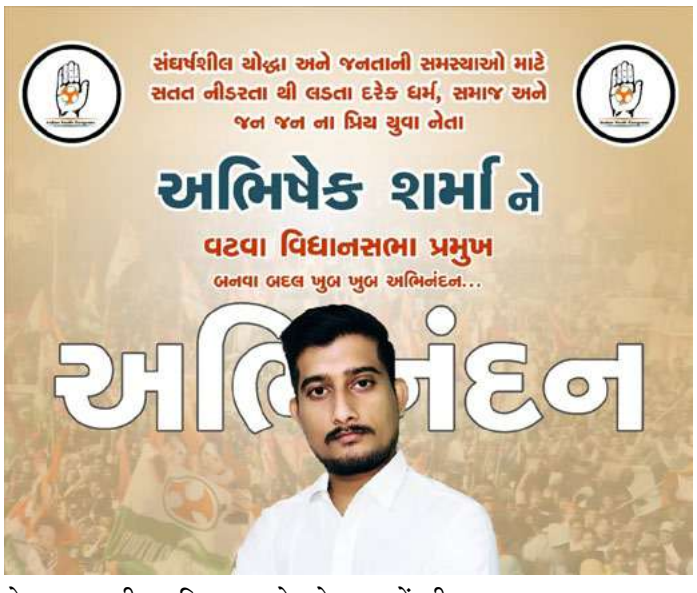

ने शानदार जीत हासिल कर क्षेत्र के युवाओं की उम्मीदों को नई दिशा दी है। यह जीत ना सिर्फ आंकड़ों की जीत है, बल्कि संघर्ष, समर्पण और जनता के मुद्दों पर लगातार आवाज़ उठाने का परिणाम है।

संघर्ष से नेतृत्व तक का सफर

अभिषेक शर्मा पिछले कई वर्षों से वटवा क्षेत्र में युवाओं और आमजन की समस्याओं को लेकर सक्रिय रहे हैं। बेरोजगारी, खेल सुविधाओं की कमी, शिक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े मुद्दों पर उन्होंने कई आंदोलन, जनजागृति अभियान और धरने-प्रदर्शन किए। उनकी इसी निरंतरता ने युवाओं को प्रभावित किया और उन्हें वास्तविक नेता के रूप में देखा गया।

युवाओं ने दिल खोलकर दिया समर्थन

अभिषेक शर्मा का कहना है कि उनकी जीत में विधानसभा के हजारों युवाओं का समर्थन सबसे बड़ी ताकत रहा। स्थानीय समस्याओं को हल करने के लिए उनके प्रयास, लगातार ग्राउंड पर उपस्थिति और जनता के साथ जुड़े रहने की नीति ने उन्हें युवाओं का चहेता बना दिया। वे कहते हैं-"मेरे संघर्ष को युवाओं ने पहचाना, उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना ही मेरी प्राथमिकता रहेगी।" भविष्य की प्राथमिकताएँ- अभिषेक शर्मा ने कहा कि जीत उनके लिए जिम्मेदारी और बढ़ा देती है। आने वाले समय में वे मुख्य रूप से इन मुद्दों पर काम करने का लक्ष्य रखते हैं- युवाओं के रोजगार और स्किल डेवलपमेंट खेल और फिटनेस सुविधाओं का विस्तार शिक्षा में पारदर्शिता और बेहतर संसाधन स्थानीय इंफ्रास्ट्रक्चर के सुधार

आम जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान

वटवा विधानसभा के युवाओं ने इस चुनाव में परिवर्तन का संदेश दिया है। 25 वर्षीय अभिषेक शर्मा की यह जीत युवा नेतृत्व के उभरते प्रभाव और क्षेत्र की नई सोच का प्रतीक है। अब सभी की निगाहें उनके काम और वादों को लेकर आगे के सफर पर टिकी हैं।

थाना करैरा पुलिस नाबालिग से बलात्कार के आरोपी को किया गिरफ्तार

दीपक परमार

करैरा। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिह राठौर के द्वारा महिला संबंधी अपराध मे शीघ्र गिरफ्तारी अभियान के तहत जीरो टालरेन्स अपनाने के निर्देश दिये गये उक्त निर्देश के पालन मे SDOP करैरा आयुष जाखड के कुशल मार्गदर्शन में करैरा पुलिस द्वारा दिनांक 04.11.2025 को अपहर्ता वालिका को दस्तयाव किया अपहर्ता वालिका के कथन के आधार पर अपराध क्रमांक 762/25 मे धारा 64(2)(एम),5 एल/6 पाक्सो अधिनियम का इजाफा किया गया । आज दिनांक 04/12/25 को मुखविर की सूचना पर से आरोपी नरेन्द्र रावत पुत्र हाकिम रावत उम्र 31 साल निवासी ग्राम डोंगरपुर चौकी मगरौनी थाना नरवर जिला शिवपुरी को ग्राम डोंगरपुर से विधिवत गिरफ्तार किया गया है । आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया । इस कार्रवाई मे थाना प्रभारी करैरा निरी0 विनोद छावई ,चौकी प्रभारी उनि चेतन शर्मा, उनि अँजली सिह, आर0लवकेश यादव,आर0 रविन्द्र कुमार की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

क्या आपका मन भी लगातार बेचैन रहता है?

शिखर चंद जैन

हमारे मन में हर पल कई प्रकार के विचार आते हैं। समझ से काम न लें, तो हम उनमें उलझ कर रह जाते हैं। नकारात्मक और निरर्थक विचारों की उलझन में हम जीवन के अर्थ खो देते हैं। आकर्षण का नियम कहता है कि समान चीजें एक दूसरे को आकर्षित करती हैं। जैसा हम सोचते हैं, वैसे ही और नए विचार हमारी ओर आने लगते हैं। हम नकारात्मक विचार पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो कुछ ही मिनट में आपके मन में ऐसे ही विचार आते हैं जो हमें परेशान करते हैं। मन बहुत उलझ गया हो, विचलन और झुंझलाहट महसूस हो रही हो, तो कभी शांत बैठकर यह जानना चाहिए कि जीवन से क्या चाहिए।जब तक ईमानदारी से यह स्वीकार नहीं करते कि हम वास्तव में चाहते क्या हैं, तब तक एक भ्रम बना रहेगा। जब तक हम अपने जीवन, किसी परिस्थिति या रिश्तों में साफ-साफ यह नहीं मांगते कि हमें क्या चाहिए, तब तक स्पष्टता नहीं आएगी। यह भ्रम तब तक नहीं जाएगा। इसलिए विषम परिस्थितियों में कुछ देर शांत बैठ कर अपने भीतर झांकना चाहिए, ताकि हम सच में जान सकें कि जीवन से चाहते क्या हैं। अक्सर होता यह है कि जल्दीबाजी में हम अपने जीवन को ही ध्यान से नहीं देख पाते। नतीजतन, समस्याओं और नकारात्मकता में

उलझ कर हम तनावग्रस्त हो जाते हैं। यह समझना होगा कि समस्याएं जीवन का एक अभिन्न अंग हैं और इनसे निपटते हुए आगे बढ़ना ही जीवन की कला है।

इस दुनिया में हमारे लिए सब कुछ आसान होने वाला नहीं है। यहां हमें अपने जीवन के हर मोड़ पर कुछ अनुभव प्राप्त होंगे। इन्हें एकत्रित करके उनसे कुछ सीखना है। जीवन निरंतर परिवर्तनशील विषयों से भरा हुआ है। हमें बार-बार कुछ न कुछ छोड़ना पड़ता है। जैसे अपना प्यार भरा बचपन, मनभावन सपने और कई बार अपने प्रियजन। यह बेहद स्वाभाविक है।

जीवन में सुख और विकास के लिए यह सीखना बहुत जरूरी है कि हर चीज हमेशा के लिए नहीं होती। नुकसान को बदलाव और बिछोह को इसी तरह स्वीकार करना चाहिए कि हर रिश्ते, हर दौर का अंत होता ही है। कई बार हमें खुद ही आगे बढ़ने के लिए लोगों और चीजों को विदाई देनी पड़ती है। अपेक्षाओं को छोड़ना सुकून और विनम्रता की दिशा में उठाया गया पहला कदम है।

अगर हम जीवन को इस नजरिए और उद्देश्य से देखने लगें कि यहां हर रोज कोई नया अनुभव हासिल करना है और जीवन जीने की नई कला सीखनी है, तो विचारों की धारा और जीवन का अंदाज ही बदल जाएगा। फिर मुसीबतें सीखने का अवसर और चुनौतियां परीक्षा जैसी लगने लगेंगी, जिसमें उत्तीर्ण होकर हम खुद को सफल महसूस करेंगे।

हमें सोचना होगा कि जीवन एक अभ्यास-पुस्तिका है, जिसमें दिए गए सवालों को हल करना हमारी दिनचर्या है। एक समस्या और है जो हमारे विचारों को घुटन और अराजकता की तरफ धकेलती है। स्मार्टफोन के इस युग में वाट्सऐप और एसएमएस के जरिए टेलीग्राम की तरह अति संक्षिप्त संदेश प्रेषण की आदत ने हमारी अभिव्यक्ति की कला, संवाद प्रेषण, शब्द भंडार और भावनाओं का क्षरण कर लिया है। आमने-सामने बैठकर बातचीत या फोन पर बातचीत करना मानो लोग भूल ही गए हैं। ऐसे में जब हम अपनी भावनाओं को दबा लेते हैं, तो विभिन्न मानसिक, शारीरिक व्याधियों के शिकार हो जाते हैं या फिर लोगों से हिंसा घृणा आदि होने लगती है।

आज भावनात्मक समस्याएं बीमारियों की एक बड़ी वजह बनती जा रही हैं। अत्यधिक सूचनाओं, अफवाहों और नकारात्मक माहौल के कारण विचारों में अराजकता अत्यधिक बढ़ गई है। लोग जाने अनजाने भय, अकेलेपन, हताशा, अवसाद, बेचारगी से जूझ रहे हैं। लोगों में जीवन की निरर्थकता के भाव उन्हें चैन से नहीं जीने दे रहे हैं।

लोगों में अपनी पीड़ा छिपाने और दूसरों के साथ साझा न करने की प्रवृत्ति दिनोंदिन बढ़ रही है। जबकि समाजशास्त्रियों, व्यवहार विशेषज्ञों और मनोवैज्ञानिकों ने परिचित या अपरिचित लोगों से संवाद करने की प्रवृत्ति को सुखी, स्वस्थ और सुकूनदेह जीवन के लिए आवश्यक बताया है।

हाल ही में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि जब लोग अपनी ढकी-छिपी भावनाओं के बारे में बातें करते हैं, तो उन्हें सुकून और शांति मिलती है। यह प्रक्रिया उन्हें अपनी भावनाओं को समझने में मददगार भी होती है।

कई बार चिंता फायदेमंद भी होती है। किसी बुरी खबर का सामना करने के लिए जिस तरह की तैयारी करनी जरूरी हो जाती है, उसके लिए यह भी जरूरी होता है कि हम उनके उपाय और नतीजे पर चिंतन करें। किसी बुरी स्थिति में हम पहले ही सोच लें कि ज्यादा से ज्यादा क्या बुरा हो सकता है और उसे उससे कैसे निपट सकते हैं। इससे अवसाद नहीं होगा।हां, किसी दुख और परेशानी का सामना करना है तो ऐसा पूरी तरह से सकारात्मक होकर ही किया जा सकता है। हम अपने मन की निराशाओं को इस तरह से संभालें कि उससे हमारे वर्तमान पर किसी तरह का कोई असर न पड़ सके। यह तभी संभव है कि हम बेचैन न हों। इससे हम लगातार सकारात्मक और शांत बने रहेंगे। कुछ लोग खुद को दुखी रखने और दिखने के लिए अपने दुखों का अभ्यास भी करते रहते हैं। यह एक बुरी आदत है जो किसी को भी कभी चैन से रहने नहीं देती।

एआई ने बढ़ाई चिंता, बढ़ रहे हैं साइबर फ्रॉड के मामले

> राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि हर मिनट कोई न कोई भारतीय साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो रहा है, जिससे भारी वित्तीय नुकसान के साथ ही पीड़ितों को गहरा मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक आघात भी लगता है। अपनी मेहनत की कमाई अचानक खो देने का सदमा पीड़ितों को तनाव, अवसाद और सामाजिक अलगाव का शिकार बना देता है। शर्म और बदनामी के डर से कई लोग शिकायत दर्ज कराने से भी बचते हैं, जिससे अपराधियों को और बल मिलता है। इस गंभीर स्थिति का सामना करने के लिए सरकार ने कुछ बड़े कदम उठाए हैं। इनमें राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 और साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल शामिल हैं। भविष्य में यह चुनौती और भी बड़ी होने वाली है। कृत्रिम मेधा और 'डीपफेक' तकनीक अब अपराधियों के हाथ लग रही है। एआइ किसी की आवाज या वीडियो चेहरे की हूबहू नकल तैयार कर सकता है।

रंजना मिश्रा

भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इसका प्रमाण हमें हर दिन अपने आसपास देखने को मिलता है। एक समय था जब बैंक के छोटे-से काम के लिए भी लंबी कतार में खड़ा होना पड़ता था, लेकिन आज यूपीआइ की सफलता ने लेन-देन को इतना सरल और त्वरित बना दिया है कि सड़क किनारे बैठा ठेले वाला भी 'क्यूआर कोड' से भुगतान स्वीकार कर लेता है। सरकारी सेवाओं के आनलाइन वितरण और आधार-आधारित सेवाओं ने देश के हर नागरिक के जीवन को सशक्त और सरल बनाया है। यह क्रांति हमें डिजिटल रूप से सशक्त कर रही है, लेकिन इसी डिजिटल सशक्तीकरण के साथ-साथ एक स्याह पक्ष भी सामने आया है।

यह है साइबर अपराध। दरअसल, आज यह सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि बेलगाम खतरा बन चुका है। यह हमारी मेहनत की कमाई, हमारे व्यक्तिगत डेटा और सबसे बढ़ कर, डिजिटल व्यवस्था में हमारे विश्वास की चोरी कर रहा है। आज अपराधी भौतिक दूरी की परवाह नहीं करता। वह हजारों किलोमीटर दूर बैठ कर, बिना किसी संपर्क के, लोगों के बैंक ब्योरे तक पहुंच बना लेता है। यह एक ऐसी अदृश्य लड़ाई है जहां अपराधी हमेशा तकनीक में एक कदम आगे रहने की कोशिश करते हैं।

वर्तमान में, साइबर अपराध के तौर-तरीकों में एक अहम बदलाव आया है। अपराधी अब अपना समय जटिल साफ्टवेयर या 'फायरवाल' में घुसने में नहीं लगाते। उन्होंने सीख लिया है कि सबसे कमजोर कड़ी हमेशा 'इंसान' होता है। अपराधी मनोविज्ञान का इस्तेमाल करते हैं। वे जानते हैं कि मनुष्य तीन प्राथमिक भावनाओं पर तुरंत प्रतिक्रिया करता है- डर, लालच, और तुरंत कार्रवाई। वे इन्हीं भावनाओं को निशाना बना कर लोगों को भ्रमित करते हैं, जिससे पीड़ित खुद अपनी गोपनीय जानकारी या पैसा उनके हवाले कर देता है। यह एक ऐसा तरीका है, जहां अपराधी 'मनुष्य की कमजोरी' पर ध्यान देता है।

हालिया रुझानों में, जिस रणनीति ने सबसे ज्यादा दहशत पैदा की है, वह है 'डिजिटल अरेस्ट'। यह साइबर अपराधियों का नया और मनोवैज्ञानिक हथियार है। इसमें अपराधी स्वयं को केंद्रीय जांच ब्यूरो, नारकोटिक्स ब्यूरो या यहां तक कि स्थानीय पुलिस के उच्चाधिकारी के रूप में प्रस्तुत करते हैं। वे पीड़ित को वीडियो काल करते हैं, जिसमें उनकी पृष्ठभूमि में अक्सर थाने या सरकारी कार्यालय जैसा दृश्य दिखाई देता है और वे वर्दी या आधिकारिक पोशाक में होते हैं। वे पीड़ित को दिखाते हैं कि उनका आधार कार्ड या बैंक खाता किसी गंभीर अपराध में फंसा हुआ है, जैसे धन शोधन, हवाला या नशीली दवाओं की तस्करी मामले में।

धमकी का यह नाटक इतना वास्तविक होता है कि अच्छे-खासे शिक्षित और समझ रखने वाले लोग भी घबरा जाते हैं। अपराधी पीड़ित को यह विश्वास दिलाते हैं कि अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए उन्हें अपनी सारी जमा पूंजी एक 'सुरक्षित सरकारी खाते' में 'जांच के लिए' भेजनी होगी। वे भरोसा दिलाते हैं कि जांच पूरी होते ही पैसा वापस मिल जाएगा। अपराधी यह सुनिश्चित करते हैं कि पीड़ित को सोचने या किसी से सलाह लेने का समय न मिले। वे लगातार वीडियो काल कर उस पर

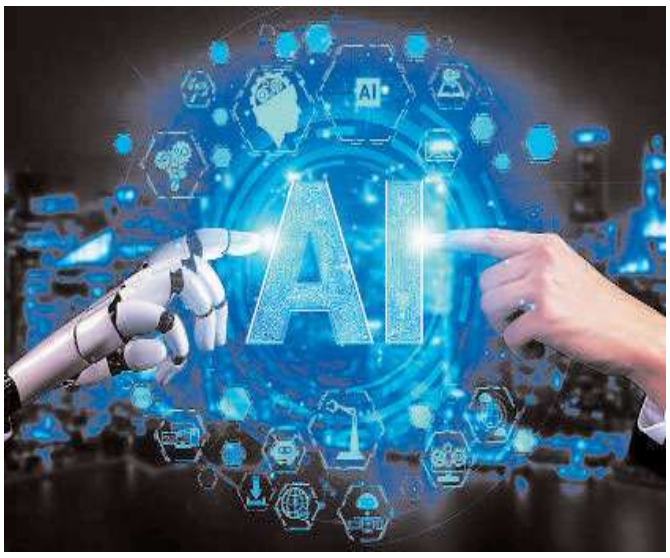

दबाव बनाए रखते हैं। इसी तीव्र दबाव और जेल जाने के डर से, लोग जीवन भर की बचत पलक झपकते ही गंवा देते हैं। साफ है कि अपराधियों ने डर का इस्तेमाल हथियार के रूप में करना सीख लिया है।

दूसरी ओर, लालच का इस्तेमाल कर की जाने वाली धोखाधड़ी भी तेजी से बढ़ रही है। 'आकर्षक रिटर्न' का लालच देकर फर्जी ट्रेडिंग मंच और क्रिप्टोकरंसी में निवेश कराया जाता है। अक्सर लोगों को सोशल मीडिया या टेलीग्राम पर ऐसे संदेश मिलते हैं जिनमें 'घर बैठे काम' या 'थोड़े समय में पैसा दोगुना' करने का वादा किया जाता है। अपराधी छोटे निवेश पर शुरुआत में कुछ मुनाफा देकर पीड़ितों का भरोसा जीतते हैं। जब पीड़ित बड़ा निवेश करता है, तो अपराधी मंच बंद करके या मुनाफा निकालने की प्रक्रिया को जटिल बना कर गायब हो जाते हैं। इसके अलावा, तत्काल कर्ज देने वाले फर्जी ऐप भी तेजी से फैले हैं, जो कम कागजी कार्रवाई के नाम पर लोगों के फोन का पूरा डेटा चुरा लेते हैं और फिर भयादोहन कर उनसे वसूली करते हैं।

इसके अलावा, दैनिक जीवन से जुड़ी छोटी-छोटी, लेकिन व्यापक धोखाधड़ी भी आम हो गई है। 'केवाईसी अपडेट करें' या 'आपका बिजली बिल बकाया है, रात दस बजे बिजली काट दी जाएगी' जैसे संदेश भेज कर लिंक पर क्लिक कराया जाता है। ऐसा करते ही या तो व्यक्तिगत डेटा चुरा लिया जाता है या पीड़ित से ओटीपी मांग कर उसके खाते से पैसे निकाल लिए जाते हैं। क्यूआर कोड स्कैन करवा कर पैसे निकालने की धोखाधड़ी भी आम हो गई है, जहां अपराधी पैसा भेजने के बजाय राशि प्राप्त करने का कोड भेजते हैं और अनभिज्ञ लोग पिन डाल कर पैसा गंवा देते हैं।

इन अपराधों की प्रकृति ऐसी है कि यह किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है। गांव का किसान जो पहली बार डिजिटल बैंकिंग का उपयोग कर रहा है और शहर नागरिक, दोनों ही अब जोखिम में हैं। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि हर मिनट कोई न कोई भारतीय साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो रहा है, जिससे भारी वित्तीय नुकसान के साथ ही पीड़ितों को गहरा मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक आघात भी लगता है। अपनी मेहनत की कमाई अचानक खो देने का सदमा पीड़ितों को तनाव, अवसाद और सामाजिक अलगाव का शिकार बना देता है। शर्म और बदनामी के डर से कई लोग शिकायत दर्ज कराने से भी बचते हैं, जिससे अपराधियों को और बल मिलता है।

इस गंभीर स्थिति का सामना करने के लिए सरकार ने कुछ बड़े कदम उठाए हैं। इनमें राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 और साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल शामिल हैं। भविष्य में यह चुनौती और भी बड़ी होने वाली है। कृत्रिम मेधा और 'डीपफेक' तकनीक अब अपराधियों के हाथ लग रही है। एआइ किसी की आवाज या वीडियो चेहरे की हूबहू नकल तैयार कर सकता है। ऐसे में जब ठगी करने वाला व्यक्ति किसी व्यक्ति के रिश्तेदार की आवाज और चेहरे का उपयोग कर भावनात्मक मदद मांगेगा, तो सामान्य व्यक्ति के लिए सत्य और झूठ में अंतर कर पाना लगभग असंभव हो जाएगा। डीपफेक तकनीक न केवल वित्तीय धोखाधड़ी बढ़ाएगी, बल्कि यह समाज में गहरा अविश्वास और अराजकता भी पैदा कर सकती है।

साइबर सुरक्षा का मूल मंत्र सरल है- 'रुको, सोचो और पुष्टि करो।' किसी भी लिंक पर क्लिक करने या पैसा भेजने से पहले रुकें, उस संदेश के पीछे के तर्क पर सोचें और संबंधित आधिकारिक स्रोत से फोन कर पुष्टि करें। परिवार के बुजुर्ग सदस्यों को इन खतरों के बारे में शिक्षित करना और उन्हें 1930 जैसे हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी देना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। डिजिटल इंडिया तभी सुरक्षित होगा, जब हर नागरिक साइबर सुरक्षा के प्रति सजग, जिम्मेदार और शिक्षित होगा। हमें तकनीक का इस्तेमाल करना है, न कि तकनीक से डरना है। यह तभी संभव है जब हम सुरक्षित और समझदारी से डिजिटल लेन-देन करें।

जनजातीय समाज के सभी पर्व-उत्सवों को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाये- मंत्री श्रीमती ठाकुर

इंदौर। क्रांति सूर्य जन नायक टंट्या मामा के बलिदान दिवस पर इंदौर के खंडवा रोड़ स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. विजय शाह विशेष रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन जनजातीय कार्य विभाग इंदौर ने किया। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती ठाकुर ने कहा कि केन्द्र सरकार के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जमीन पर उतारा जा रहा है। इन योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान दिये जा रहे है। संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के सपनों को पूरा किया जा रहा है। संविधान का पालन हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश को आजाद कराने में हमारे जनजातीय समाज के नायकों ने कई प्रकार की भूमिकाएं निभाई है। इसमें क्रांति सूर्य जन नायक टंट्या मामा से लेकर बिरसा मुण्डा, शंकर शाह, तिलक माझी आदि जनजातीय समाज के नायक शामिल है। हमारा कर्तव्य है कि हम जनजातीय समाज की संस्कृति और परम्परा को सुरक्षित रखें। जनजातीय समाज के पर्व-उत्सव और त्यौहारों को हर्षोल्लास के साथ मनायें। इन उत्सवों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश भर में मनाया जा रहा है। जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. विजय शाह ने कहा कि जनजातीय समाज का एक गौरवशाली इतिहास है। जो हर जनजातीय समाज के व्यक्ति को जरूर पढ़ना चाहिए। जनजातीय समाज में बिरसा मुण्डा, टंट्या मामा, शंकर शाह, रघुनाथ शाह आदि जन नायक हुए है, जिन्होंने देश को आजाद कराने में अपना अमूल्य योगदान दिया है। ऐसे जननायकों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि जनजातीय समाज की प्रगति और उत्थान के लिये राज्य शासन लगातार कार्य कर रहा है।

मंत्री गोविंद राजपूत के बयान से मचा हड़कंप

मतदाता सूची में नाम नहीं जुड़वाया तो बंद हो जाएगी राशन- पानी और सरकारी सुविधाएं?

● वायरल वीडियो से गर्माया सियासी माहौल, विपक्ष ने कसा तंज

सागर। जिले में आयोजित एक कार्यक्रम में खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत द्वारा दिया गया बयान न सिर्फ आम जनता में हलचल पैदा कर रहा है, बल्कि राजनीतिक हलकों में भी भारी विवाद का कारण बन गया है। मंत्री राजपूत ने लोगों से वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने की अपील करते हुए कहा कि यदि किसी ने मतदाता सूची में अपना नाम नहीं जुड़वाया, तो उसे राशन, आधार कार्ड और अन्य सरकारी सुविधाएं मिलना बंद हो जाएंगी। उनके इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है और इसे लेकर प्रदेशभर में सवाल खड़े हो रहे हैं। मंत्री गोविंद राजपूत सुरखी विधानसभा क्षेत्र में एक जनसमारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मंच से कहा कि गांवों में मतदाता सूची को अद्यतन करने का काम चल रहा है और लोगों को स्वयं अपना नाम इसमें जुड़वाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि यदि नाम नहीं जुड़वाया गया तो सरकारी राशन, आधार कार्ड सहित कई सेवाओं का लाभ बंद हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि उनके खुद के नाम जुड़ने का काम भी चल रहा है और उन्होंने आवश्यक फॉर्म जमा कर दिए हैं।

मंत्री का यह बयान इसलिए और विवादों में आ गया क्योंकि एसआईआर की प्रक्रिया मात्र मतदाता सूची को अपडेट करने की एक

नियमित कार्यवाही है, जिसका उद्देश्य मतदाताओं को सही तरीके से सूची में शामिल करना है और गलत नामों को हटाना। इस प्रक्रिया का किसी भी तरह से राशन कार्ड या सरकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभ पर कोई संबंध नहीं है। एसआईआर के तहत मतदाता सूची में नाम न होने से किसी का राशन-पानी बंद नहीं किया जा सकता। यही वजह है कि मंत्री का यह बयान तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रम पैदा करने वाला बताया जा रहा है।

विपक्ष ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने कहा कि मंत्री गोविंद सिंह राजपूत नेता हैं या चुनाव आयोग के अधिकारी? उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा एसआईआर प्रक्रिया को प्रभावित कर रही है और मतदाता सूची के नाम जोड़ने-हटाने पर अनुचित दखल दे रही है। कटारे ने यह भी कहा कि मंत्री का यह बयान मतदाताओं को धमकाने जैसा है और अगर चुनाव आयोग की नियमावली में इसका कोई उल्लंघन पाया गया तो उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सोशल मीडिया पर जहां यह वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, वहीं लोग मंत्री के बयान की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषक इसे जनता में भ्रम फैलाने और वोटर लिस्ट अपडेट को लेकर अनावश्यक दबाव बनाने वाला बयान मान रहे हैं। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि चुनाव आयोग इस पर क्या रुख अपनाता है और क्या मंत्री के बयान पर किसी प्रकार की कार्रवाई होती है। फिलहाल इतना तय है कि एक कथन ने प्रदेश के राजनीतिक माहौल को गर्म कर दिया है और मतदाता सूची की प्रक्रियाओं पर फिर से बहस छिड़ गई है।

सांसों का संकट गहराया

15 दिन से जहरीली हवा में घिरा शहर, प्रशासन ने कंपनियों को दिया कड़ा अल्टीमेटम

सिंगरौली। मध्य प्रदेश का ऊर्जा राजधानी कहलाने वाला सिंगरौली आज अपनी ही रफ्तार और औद्योगिक विकास की कीमत सांसों से चुका रहा है। पिछले पंद्रह दिनों से इस जिले की हवा लगातार 'बेहद खराब' श्रेणी में दर्ज की जा रही है, जिसने लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा खड़ा कर दिया है। बीते सप्ताह ट्रामा सेंटर क्षेत्र में एयर क्वालिटी इंडेक्स 356 तक पहुंच गया, जबकि जयंत क्षेत्र में यह 326 के आसपास दर्ज किया गया था। गुरुवार को भी हालात में कोई सुधार नहीं दिखाई दिया और एक्यूआई 250 के पार बना रहा, जो बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और सामान्य व्यक्ति—सभी के लिए खतरनाक माना जाता है। सिंगरौली में सालभर वायु प्रदूषण चिंता का विषय रहता है, लेकिन जैसे ही ठंड बढ़ती है, हवा की गुणवत्ता और तेजी से खराब होने लगती है। जिले में फैली कई औद्योगिक गतिविधियाँ, जैसे ऐश ट्रांसपोर्ट, कोयला परिवहन, और बड़े संयंत्रों की चिमनियों से निकलने वाला धुआं, हवा में प्रदूषित कणों की मात्रा को डरावने स्तर तक बढ़ा देते हैं। एनटीपीसी, रिलायंस, तिरुमुला समेत अन्य बड़ी कंपनियों के प्लांट रात के समय बड़े स्तर पर राख और धुआं हवा में छोड़ते हैं, जिससे सुबह का माहौल बिल्कुल स्मॉग से ढका दिखाई देता है। कई इलाकों में दोपहर के वक्त भी सड़कें धुंध—कोहरे जैसी परतों में लिपटी नजर आती हैं, मानो शहर लगातार एक अदृश्य जहरीली चादर में कैद हो गया हो। हालत कितने गंभीर हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगता है कि शहर में रियल-टाइम एयर क्वालिटी डिस्प्ले बोर्ड भी पर्याप्त मात्रा में मौजूद नहीं हैं। केवल एक-दो चौराहों पर ही एक्यूआई दिखाने वाले उपकरण लगाए गए हैं, जबकि ऐसी व्यवस्था हर मुख्य चौराहे पर होनी चाहिए, ताकि नागरिकों को पता चल सके कि वे किस गुणवत्ता की हवा में सांस ले रहे हैं। लोगों की यह अनजान स्थिति उनकी सेहत को और बड़े खतरे की ओर धकेल रही है।

लगातार बिगड़ते हालात के बाद अब प्रशासन हरकत में आया है। सिंगरौली कलेक्टर गौरव बैनल ने जिले में संचालित सभी बड़ी कंपनियों के अधिकारियों को तलब कर कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने साफ कहा कि सात दिनों के भीतर प्रदूषण कम करने के लिए एक ठोस और लागू करने योग्य रोडमैप तैयार किया जाए। सड़कों पर नियमित पानी छिड़काव, धूल नियंत्रण के लिए सख्त व्यवस्था, चिमनियों से निकलने वाले उत्सर्जन पर तत्काल रोकथाम जैसी कई महत्वपूर्ण कार्रवाई अनिवार्य रूप से की जाए। कलेक्टर ने चेतावनी दी है कि अगर निर्धारित समय में स्पष्ट सुधार नहीं दिखा, तो प्रशासन कठोर कदम उठाने में पीछे नहीं हटेगा। अब पूरे जिले की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या आने वाले दिनों में हवा की यह खतरनाक स्थिति सुधरेगी या सिंगरौली के लोग इसी जहरीले माहौल में हर दिन अपनी सांसों से समझौता करते रहेंगे। हवा में घुला यह प्रदूषण एक ऐसा अदृश्य संकट बन चुका है, जिससे निपटने के लिए प्रशासन, कंपनियों और जनता—तीनों को मिलकर स्थायी समाधान की दिशा में काम करने की जरूरत है।

मध्य प्रदेश की पाँच पारंपरिक कलाओं को मिला भौगोलिक संकेतक (जीआई) दर्जा

ग्वालियर की पेपर मेशी और शिलाखंड शिल्प को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान, कारीगरों के लिए खुले नए रोजगार के द्वार

ग्वालियर। मध्य प्रदेश, जो अपनी कला, संस्कृति और हस्तशिल्प परंपराओं के लिए पूरे देश में विशिष्ट स्थान रखता है, एक बार फिर अपनी अनूठी पहचान को मजबूत करने में सफल हुआ है। प्रदेश की पाँच प्रमुख कलाओं को औपचारिक रूप से भौगोलिक संकेतक (जीआई) दर्जा प्रदान किया गया है, जिनमें ग्वालियर की प्रसिद्ध पेपर मेशी (कागज़ गूदाशिल्प) और शिलाखंड शिल्प भी शामिल है। यह उपलब्धि न केवल प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को नई उड़ान देगी, बल्कि इन परंपरागत कलाओं से जुड़े हजारों कारीगरों के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी उपलब्ध कराएगी।

ग्वालियर का कागज़ गूदाशिल्प और शिलाखंड शिल्प अपनी महीन कलाकारी, आकर्षक डिज़ाइन और परंपरागत तकनीक के कारण लंबे समय से प्रसिद्ध रहा है। इन कलाओं को भौगोलिक संकेतक दर्जा दिलाने की प्रक्रिया कई वर्षों से जारी थी। बीते वर्ष इनके लिए औपचारिक आवेदन प्रस्तुत किया गया था, जिसके बाद इनकी मौलिकता, विशिष्टता और सांस्कृतिक महत्व की विस्तृत जाँच की गई। सभी आवश्यक प्रक्रियाएँ पूरी होने के बाद अंततः इन्हें यह दर्जा प्राप्त हुआ। इसके साथ ही अब ग्वालियर के इन शिल्पों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विशिष्ट पहचान मिलेगी तथा नकल या नकली उत्पादों पर अंकुश भी लगाया जा सकेगा। स्थानीय कारीगरों और शिल्पकारों के लिए यह निर्णय नई आशा और बड़ी राहत लेकर आया है। भौगोलिक संकेतक दर्जा प्राप्त होने के बाद इन कलाओं को व्यापक बाजार, उचित मूल्य और स्थायी पहचान मिल सकेगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, युवाओं में पारंपरिक कलाओं के प्रति रुचि बढ़ेगी और शिल्पकारों के जीवन स्तर में भी सुधार आएगा। राज्य सरकार और सामाजिक संस्थाएँ अब इन कलाओं के संरक्षण, प्रशिक्षण, प्रचार-प्रसार और विपणन को और सशक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठा सकेंगी, जिससे यह परंपरा आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंच सके। प्रदेश में ग्वालियर के कागज़ गूदाशिल्प और शिलाखंड शिल्प के साथ ही बैतूल के भरेवा धातु शिल्प, छतरपुर के पारंपरिक फर्नीचर तथा खजुराहो के शिलाखंड शिल्प को भी भौगोलिक संकेतक दर्जा मिला है। यह उपलब्धि मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, क्योंकि यह न केवल स्थानीय कला को बढ़ावा देती है, बल्कि इन्हें विश्व मंच पर नई पहचान दिलाने का मार्ग भी प्रशस्त करती है।

विधानसभा में प्रश्नकाल की गूंज

अतिवृष्टि से किसानों के नुकसान पर उठा बड़ा मुद्दा, मुआवजा राशि और जवाबों की सत्यता पर विपक्ष ने जताई कड़ी आपत्ति

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र की कार्यवाही आज प्रश्नकाल के साथ शुरू हुई और शुरुआत होते ही किसानों की समस्या सदन के केंद्र में आ गई। कांग्रेस विधायक सतीश सिकरवार ने ग्वालियर जिले में अतिवृष्टि से किसानों को हुए व्यापक नुकसान का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाते हुए सरकार के आंकड़ों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि के नाम पर जिले में केवल तीन किसानों को नुकसानग्रस्त दिखाकर मात्र पंद्रह हजार रुपये की राहत राशि दी गई, जबकि वास्तविकता यह है कि कई तहसीलों में बड़ी संख्या में किसान फसलों के भारी नुकसान से प्रभावित हुए हैं। सिकरवार ने आरोप लगाया कि उनके द्वारा पूछा गया प्रश्न अलग था, लेकिन उत्तर किसी और विषय का दिया गया। उन्होंने इसे गंभीर चूक बताते हुए कहा कि जब विधायक के मूल प्रश्न को ही बदल दिया जाए तो जवाबों की विश्वसनीयता कैसे सुनिश्चित होगी। यह आरोप लगते ही सदन का माहौल गर्म हो गया और सत्ता-पक्ष विपक्ष के बीच तीखी बहस देखी गई। इस पर संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सदन में खड़े होकर कहा कि प्रश्न बदल दिए जाने जैसे आरोप सीधे तौर पर आसंदी यानी विधानसभा अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हैं, जो अत्यंत आपत्तिजनक है। उन्होंने कहा कि विधायकों का यह दायित्व है कि वे

अपने विधायी अधिकारों का ईमानदारी और जिम्मेदारी से उपयोग करें। बिना तथ्य के ऐसे आरोप लगाना परंपरा के खिलाफ है और इससे पूरी कार्यप्रणाली पर अविश्वास का वातावरण बनता है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इस दौरान हस्तक्षेप करते हुए कहा कि यदि इस विषय पर विस्तृत बहस जरूरी है तो प्रश्नकाल के बाद अलग से समय निर्धारित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसान मुद्दों को लेकर सरकार की लापरवाही बारङ्बार सामने आ रही है और राहत वितरण में पारदर्शिता की कमी साफ दिखाई देती है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने दोनों पक्षों की बात सुनते हुए स्पष्ट किया कि राहत राशि देने के लिए सरकार के निर्धारित मापदंड पहले से तय हैं। यदि कोई किसान इन मानकों के अनुरूप पात्र नहीं पाया जाता है, तो उसके मामले में राशि स्वाभाविक रूप से स्वीकृत नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में वास्तविक नुकसान अधिक हुआ है तो संबंधित विभाग से रिपोर्ट लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। कुल मिलाकर, प्रश्नकाल में किसानों की स्थिति फिर एक बार सदन की प्राथमिक चिंता बन गई। विपक्ष राहत वितरण को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगा रहा है, जबकि सरकार मापदंडों के आधार पर कार्रवाई का दावा कर रही है। आने वाले दिनों में यह मुद्दा सदन में और बड़ी बहस का रूप ले सकता है।

रेप पीड़िता की शिकायत पर हाईकोर्ट का कड़ा रुख

टीआई और डीएसपी पर कार्रवाई के आदेश, जांच दूसरे थाने को सौंपी गई, पीड़िता के परिवार को सुरक्षा भी प्रदान करने के निर्देश

ग्वालियर। ग्वालियर में रेप पीड़िता की ओर से की गई गंभीर शिकायत को नज़रअंदाज़ करना, उसका मज़ाक उड़ाना, अपमानित करना और एफआईआर दर्ज करने से इनकार करना हाईकोर्ट को बेहद नाराज़ कर गया। न्यायालय ने इस मामले में कठोर टिप्पणी करते हुए साफ कहा कि पुलिस अधिकारियों का यह रवैया न केवल कर्तव्य की अवहेलना है, बल्कि यह पीड़िता के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन भी है। हाईकोर्ट ने ग्वालियर पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए हैं कि थाना प्रभारी सहित डीएसपी के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की नियुक्ति तुरंत की जाए। साथ ही पीड़िता के मामले की जांच पुलिस थाना गिरवाई से हटाकर किसी अन्य थाने के अधिकारी को सौंपी जाए, ताकि जांच निष्पक्ष रूप से आगे बढ़ सके। न्यायालय ने पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने के भी स्पष्ट आदेश दिए हैं। यह मामला ग्वालियर के सिकंदर कंपू क्षेत्र की एक रेप पीड़िता से जुड़ा है, जिसने अधिवक्ता अवधेश सिंह भदोरिया के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका प्रस्तुत की। याचिका के अनुसार 26 अप्रैल 2025 को पीड़िता अपने साथ हुई दुष्कर्म की घटना की शिकायत दर्ज कराने थाना गिरवाई पहुंची थी। वहां मौजूद डीएसपी चंद्रभान सिंह और टीआई सुरेंद्रनाथ यादव ने न केवल एफआईआर दर्ज करने से मना किया, बल्कि पीड़िता से बदसलूकी की, उसका मज़ाक उड़ाया और रात 2 बजे तक इंतज़ार कराने के बाद भी शिकायत दर्ज नहीं की। अंततः केवल एक रिसीविंग देकर उसे थाने से लौटा दिया गया।

हताश पीड़िता और उसके परिजनों ने उसी समय मोबाइल से पुलिस अधीक्षक और पुलिस महानिरीक्षक को घटना की जानकारी दी। अगले दिन पीड़िता ने एसपी और आईजी से मिलकर पूरी घटना तथा थाने के अधिकारियों के दुर्व्यवहार की शिकायत की। अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद तीसरे दिन जाकर थाना गिरवाई में दुष्कर्म की एफआईआर दर्ज की गई। एडवोकेट भदौरिया ने तर्क दिया कि टीआई और डीएसपी का व्यवहार कानून के विरुद्ध है और भारतीय न्याय संहिता की धारा 199 के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के प्रसिद्ध ललिता कुमारी मामले का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि संज्ञेय अपराध में एफआईआर दर्ज करने में आनाकानी करने वाले पुलिस अधिकारियों पर तुरंत कार्रवाई अनिवार्य है। हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि यौन अपराधों में शिकायतकर्ता के साथ अत्यंत संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार किया जाना चाहिए। यदि पुलिस अधिकारी अपने विधिक कर्तव्यों का पालन नहीं करते, तो यह सीधा-सीधा संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्ति के जीवन और सम्मान के अधिकार का उल्लंघन है। न्यायालय ने कहा कि इस मामले में दोनों अधिकारियों की जिम्मेदारी स्पष्ट दिखाई देती है, इसलिए उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। इस आदेश के साथ यह स्पष्ट संदेश गया है कि महिलाओं के साथ जुड़े गंभीर अपराधों को हल्के में लेने वाले अधिकारी अब कार्रवाई से नहीं बच सकेंगे और पीड़िताओं की आवाज़ को दबाने की किसी भी कोशिश पर न्यायपालिका सख्त रुख अपनाती रहेगी।

22 साल के अर्जुन ने विश्वनाथन आनंद को दी मात

जेरूशलम मास्टर्स का जीता खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 22 वर्षीय युवा ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने जेरूशलम मास्टर्स के फाइनल में हमवतन और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को हराकर सभी को हैरान कर दिया है। इस शानदार जीत के बाद अर्जुन ने जेरूशलम मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता। इन दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती रैपिड गेम ड्रॉ किए। इसके बाद एरिगैसी ने पहले ब्लिट्ज टाईब्रेक मैच में सफेद मोहरों से जीत हासिल कर निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। संन्यास के बाद रोहित शर्मा की अब इस टी20 टीम से खेलने की इच्छा, जानें हिटमैन कब उतर सकते हैं मैदान पर? 'चेसबेस डॉट कॉम' की रिपोर्ट के अनुसार 22 वर्षीय अर्जुन एरिगैसी दूसरे ब्लिट्ज मुकाबले में भी जीत हासिल करने के करीब पहुंच गए थे लेकिन आखिर में उन्हें ड्रॉ से ही संतोष करना पड़ा था। लेकिन यह उनके लिए 2.5-1.5 से मुकाबला और खिताब जीतने के लिए पर्याप्त था। अर्जुन एरिगैसी ने इस बेहतरीन जीत के बाद कहा, ''यह जीत आसान नहीं थी। मेरे सामने कई चुनौतियां थी और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं कर पाया। इसके बावजूद खिताब हासिल करके मैं बहुत खुश हूं। आज के दोनों मुकाबले (पीटर स्विडलर और फिर आनंद के खिलाफ) काफी तनावपूर्ण रहे। आनंद सर के खिलाफ पहले गेम में हम दोनों ने मौके गंवाए। लेकिन मुझे लगता है कि ब्लिट्ज़ में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया।

23 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त

मिचेल स्टार्क बने टेस्ट इतिहास के सबसे सफल लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेले जा रहे पिंक-बॉल टेस्ट की पहली ही दिन रिकॉर्ड बुक को हिला दिया। इंग्लैंड के उप-कप्तान हैरी ब्रुक को आउट करते ही स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज बन गए। उन्होंने पाकिस्तान के महान गेंदबाज वसीम अकरम का 23 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

स्टार्क की रिकॉर्ड-ब्रेकिंग स्पेल

पहले दिन स्टार्क ने शुरुआत से ही इंग्लैंड के बल्लेबाज़ों पर कहर बरपा दिया। पहली ओवर में बेन डकेट को गोल्डन डक पर चलता किया। दूसरे ओवर की तीसरी गेंद पर ओली पोप को भी बिना खाता खोले आउट किया और दूसरे सेशन में हैरी ब्रुक का विकेट लेकर इतिहास रच दिया। यह विकेट उनका तीसरा शिकार था और इसी के साथ वह लेफ्ट-आर्म पेसरों में नंबर-1 बन गए।

23 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

वसीम अकरम ने 104 टेस्ट में 414 विकेट लिए थे। स्टार्क ने यह उपलब्धि अपने 102वें टेस्ट में हासिल कर ली और वर्तमान में टेस्ट के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों की सूची में 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

अगला निशाना—लेफ्ट-आर्म गेंदबाज़ों में सर्वाधिक विकेट

स्टार्क अब श्रीलंका के दिग्गज रंगना हेराथ (433 विकेट) को पछाड़कर लेफ्ट-आर्म गेंदबाज़ों में भी सर्वकालिक नंबर-1 बनने के बेहद करीब हैं। इसके अलावा वे जल्द ही हरभजन सिंह (417 विकेट), शॉन पॉलक (421 विकेट) को भी पीछे छोड़ सकते हैं।

लियाम लिविंगस्टोन का शारजाह में तूफानी धमाका एक ओवर में ठोके 5 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में लियाम लिविंगस्टोन ने वह कर दिखाया जिसे देखकर दर्शक भी दंग रह गए. इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज ने अपने पहले ही मैच में विश्व आईएलटी-20लीग का रंग जमा दिया. अबू धाबी नाइटराइडर्स के लिए खेलते हुए लिविंगस्टोन ने सिर्फ 38 गेंदों पर 82 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 8 छक्के और 2 चौके शामिल थे. उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम ने 233/4 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो इस लीग के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है.

आखिरी ओवर में मचा कहर

लिविंगस्टोन की पारी का सबसे रोमांचक हिस्सा आखिरी ओवर रहा. ड्वेन प्रीटोरियस गेंदबाजी करने आए और पहली गेंद खाली निकालकर राहत की सांस ही ले रहे थे कि अगले ही पलों में उनका सब्र टूट गया. लिविंगस्टोन ने दूसरी से छठी गेंद तक लगातार 5 छक्के जड़कर ओवर में 33 रन कूट दिए. इस ओवर ने न सिर्फ उनकी पारी को नई ऊंचाई दी, बल्कि मैच का पूरा मोमेंटम भी नाइटराइडर्स के पक्ष में कर दिया.

टेस्ट क्रिकेट में 6,000 रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के पांचवें बल्लेबाज बने टॉम लैथम

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने अपने करियर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की।

शतकीय पारी खेलने वाले लैथम न्यूजीलैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में 6,000 रन पूरे करने वाले पांचवें बल्लेबाज बने। टॉम लैथम ने दूसरी पारी में 250 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 145 रन की पारी खेली। इस पारी के दौरान 142वां रन बनाते ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 6,000 रन पूरे कर लिए। 33 साल के लैथम ने अब तक अपने करियर में 89 टेस्ट मैचों की 160 पारियों में 14 शतक और 31 अर्धशतक लगाते हुए 38.98 की औसत से 6,003 रन बनाए हैं।

उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 264 रन रहा है। लैथम का वनडे में भी शानदार रिकॉर्ड है। 163 वनडे मैचों की 150 पारियों में 8 शतक और 26 अर्धशतक लगाते हुए वे 4,464 रन बना चुके हैं।

उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 145 रन है। न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने बनाए हैं। 106 टेस्ट मैचों की 188 पारियों में 33 शतक और 38 अर्धशतक लगाते हुए विलियमसन ने 9,337 रन बनाए हैं।

दूसरे स्थान पर पूर्व कप्तान रॉस टेलर

टेलर ने 2007 से 2022 के बीच 112 टेस्ट में 19 शतक और 35 अर्धशतक की मदद से 7,683 रन बनाए हैं। स्टीफन फ्लेमिंग तीसरे स्थान पर हैं। पूर्व कप्तान ने 1994 से 2008 के बीच 9 शतक और 46 अर्धशतक की मदद से 7,172 रन बनाए। चौथे स्थान पर पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैंडन मैक्कुलम हैं। मैक्कुलम ने 2004 से 2016 के बीच 101 टेस्ट मैचों की 176 पारियों में 12 शतक और 31 अर्धशतक लगाते हुए 6,453 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में 6,000 या उससे अधिक रन बनाने वाले सभी बल्लेबाज कप्तान रहे हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चाइनीस मांझा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान

खुशबू श्रीवास्तव

आज थाना छतरीपुरा द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चाइनीस मांझा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत एक रैली थाना छतरीपुरा से बियाबानी दरगाह चौराहा कागदीपुरा रविदासपुरा तक निकाली गई जिसमें सम्माननीय नागरिक, पार्षद एवं स्टूडेंट शामिल हुए रैली के दौरान चाइनीज मांझा से पक्षियों एवं आम लोगों को होनेवाले नुकसान की जानकारी दी गईं तथा जनता से चाइनीज मांझा का उपयोग न करने तथा चाइनीज मांझा बेचने वालों की जानकारी पुलिस को देने की अपील की।

गुरुमुख से निकली अमृतवाणी का अनुसरण ही श्रेष्ठतम भक्ति है

मूल ध्यान गुरू रूप है, मूल पूजा गुरू पॉव | मूल नाम गुरू वचन है, मूल सत्य सतभाव॥

'संत कबीर' 'सहजयोग' बात करता है ध्यान की, 'निर्विचार समाधी'' की। आज के विज्ञान युग कहे जानेवाले इस कलियुग में 'योग', 'ध्यान' , 'आत्मसाक्षात्कार', 'निर्विचार समाधी' या 'कुंडलिनी जागरण' ये सारी बातें आपको कपोल-कल्पित लग सकती हैं। कुंडलिनी जागरण के बारे में अनेक किंवदंतियां समाज में फैली हुई हैं। परंतु भगवद्गीता कहती है, 'श्रध्दावान लभते ज्ञानम्' अर्थात् जिस किसीके हृदय में अपनी आत्मा के प्रति श्रध्दा होगी उसे ही आत्मज्ञान प्राप्त होगा। संत कबीर कहते हैं,ध्यान का मूल गुरू का ध्यान है, पूजा का मूल गुरू चरणों की पूजा है, गुरू के अमृतवचन सभी प्रकार के नामजपों से श्रेष्ठ हैं और यदि साधक को आत्मसाक्षात्कार, या सत्य का साक्षात्कार पाना है तो उसे साक्षात्कार के प्रति जिज्ञासा होनी चाहिये। किसी साधक के मन मे जब आत्मासक्षात्कार प्राप्त करने की मनीषा यानि कि शुद्ध इच्छा जब जाग्रत होती है तो वह सोचता है, मैं कौन हूं ? मेरा इस धरती पर आने का प्रयोजन क्या है? क्या मेरे जीवन का उद्देश्य खाना - पीना, भौतिक सुविधाएं प्राप्त कर आराम से रहना इतने तक ही सीमित है? ऐसे प्रश्न जब साधक के मन

में उमड़ पड़ते हैं , तो वह 'स्व' की खोज में निकलता है। उस 'स्व' की प्राप्ति के लिए वो अनेकों साधन करता है। उस स्व को प्राप्त करना जब उसकी प्राथमिकता बनती है तब गुरू उसके ऊपर अपनी कृपा की वर्षा करते हैं। परमपूज्य श्री माताजी निर्मलादेवी प्रणित सहजयोग में आप गुरूकृपा रूपी इस प्रसाद को ग्रहण कर सकते हैं। ऐसा कहा जाता है कि, '.. Words of sages comes from heaven...इस उक्ति की साक्षात् अनुभूति हम लेते हैं, जब हम श्री माताजी के अमृतवचन अपने सहस्त्रार चक्र से ग्रहण करते हैं | जिस किसी ने आत्मानंद को पाया उसकी सारी बुरी आदतें, व्यसन, अन्य विनाशकारी आदतें सहजयोग से छूट जाती हैं। परमपूज्य श्री माताजी कहते हैं, कुंडलिनी मां साधक को गुरूत्व प्रदान करती हैं । इस स्थिति के बाद साधक सच्चे और झूठे गुरूओं के बीच का अंतर जान सकता है। इस प्रकार जब कोई साधक हर दिन के नियमित ध्यान से गहनता प्राप्त करता है तब वह स्वयं गुरू बन जाता है और दूसरों को इस गुरूपद पर आरोहित कर सकता है। ज्योति से ज्योति जलाने की इस बेला में हमें आत्मविश्वास से श्री माताजी के इस महान विश्व निर्मल धर्म स्थापित करने के स्वप्न को आगे ले जाना है । श्री माताजी कहते हैं, जब मानव में गुरूत्व शक्ति आती है, धर्म जाग्रत होता है, तब छोटे बच्चे भी संत कबीर जैसी सत्यवाणी निर्भयता से बोल सकते हैं। जिस आदमी में गुरूत्व जाग्रत होता है तब उसका माथा उन्नत होता है, चेहरा तेजस्वी और वृत्ति निरासक्त बन जाती है, वह स्वयंप्रकाशित हो जाता है और क्षमाशील भी । श्री माताजी के गुरुपद रूपी दिव्य आशीर्वाद को प्राप्त करने हेतु जानकारी टोल फ्री नं – 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिएः 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जजबातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय गुरुवार को स्कूलों में सांसद खेल महोत्सव' के प्रशस्ति पत्र किया वितरण

महेन्द्र मालवीय/ रणजीत टाईम्स

बुरहानपुर- खकनार शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय गुरुवार को स्कूलों में 'सांसद खेल महोत्सव' के प्रशस्ति पत्र वितरण भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया ताकि स्कूली छात्र छात्राओं मे खेल प्रतियोगिता भागीदारी बढ़ जाये से जिनमें मुख्य रूप से इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया है नेपानगर विधानसभा प्रभारी सुनील वाघे ने बताया यह आयोजन खेल को बढ़ावा देने के लिए है, न कि किसी राजनीतिक प्रचार के लिए।

वही सांसद खेल महोत्सव 2025 का आयोजन सितंबर से दिसंबर 2025 तक देश के विभिन्न हिस्सों में किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में युवा और नागरिक भाग ले रहे हैं।

आयोजन का उद्देश्यः इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को खोजना, राष्ट्र के विकास में युवाओं की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना और "फिट इंडिया" आंदोलन को बढ़ावा देना है।

इसीलिए विद्यालयों में वितरणः प्रशस्ति पत्रों का वितरण स्कूलों और अन्य आयोजन स्थलों पर किया जा रहा है। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य अशोक पटेल जनपद पंचायत सदस्य गोकुल पाटिल अनिल प्रजापति शिक्षक एकनाथ चौधरी सहित अन्य शिक्षक व शिक्षिका मौजूद थे।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

दिल्ली के लिए कैंसर के आंकड़े डराने वाले हैं

2024 में भारत में 15.33 लाख से अधिक नए कैंसर के मामले दर्ज

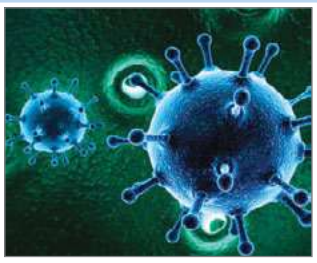

नई दिल्ली, एजेंसी।
कैंसर, एक ऐसा शब्द या कहें एक ऐसी बीमारी जिसका नाम सुनते ही लोगों में दहशत फैल जाती है। न जाने कितने घर, कितने ही परिवार इस जानलेवा बीमारी के आगे नतमस्तक हो गए, सारी पूंजी लग गई,कभी जान बच गई तो कभी तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। भारत में कैंसर के मामले वाकई डराने वाले हैं। देश की राजधानी दिल्ली की ही बात करें तो यह बहुत ज्यादा है। साल 2024 में भारत में 15.33 लाख से अधिक नए कैंसर के मामले दर्ज किए गए। दिल्ली में अकेले 28,387 मामले सामने आए हैं।

राज्यसभा में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार 2024 में 15 लाथ कैंसर मरीजों का ये आंकड़ा 2023 के 14.96 लाख और 2022 के 14.61 लाख मामलों से ज्यादा है। राजधानी दिल्ली में अकेले 2024 में 28,387 मामले सामने आए। यह आंकड़ा 2023 के 27,561 और 2022 के 26,735 मामलों से अधिक है। यह दिखाता है कि स्क्रीनिंग और इलाज की सुविधाओं के विस्तार के बावजूद, दिल्ली की कैंसर चिकित्सा सेवाओं (ऑन्कोलॉजी) पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

द्गष्टस्रू नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम के नए अनुमानों के मुताबिक, 2024 में उत्तर प्रदेश 2.21 लाख मामलों के साथ देश में

सबसे ऊपर है। इसके बाद, महाराष्ट्र (1.27 लाख), पश्चिम बंगाल (1.18 लाख), बिहार (1.15 लाख) और तमिलनाडु (98,386) का स्थान है। भले ही दिल्ली में मामलों की कुल संख्या बाकी राज्यों से कम हो, लेकिन जनसंख्या घनत्व के हिसाब से देखें तो दिल्ली के मामले अब भी सबसे अधिक मामलों में से हैं।

कैंसर विशेषज्ञ (ऑन्कोलॉजिस्ट) चेतावनी देते हैं कि जीवनशैली से जुड़े कारक, प्रदूषण और देर से पता लगने के कारण शहर में कैंसर के मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वृद्धि भारत में जोखिम भरे माहौल में एक गहरे बदलाव को दर्शाती है। इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में सीनियर कंसल्टेंट, मेडिकल ऑन्कोलॉजी के डॉ. अंकित जैन ने कहा कि अब अधिक मरीज कम उम्र में और बीमारी की पिछली अवस्थाओं में आ रहे हैं, जो इस बात पर ज़ोर देता है कि जोखिम का माहौल कितनी तेजी से बदल रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में, ज़हरीली हवा, तनाव, खराब खान-पान और कम स्क्रीनिंग (जांच) कैंसर को चुपचाप बढ़ने के लिए एक सही माहौल बना रहे हैं। वहीं, इलाज के लिए आने में देरी होने से कैंसर चिकित्सा सेवाओं पर लगातार दबाव बना हुआ है।

जीवनशैली से जुड़े जोखिमों पर आगे विस्तार करते हुए, फोर्टिस मानेसर की मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. पूजा बब्बर ने कहा कि लंबे समय तक काम करना, कम शारीरिक गतिविधि, प्रसंस्कृत भोजन पर बढ़ती निर्भरता और तंबाकू और शराब का बढ़ता उपयोग कैंसर के जोखिम को तेजी से बढ़ा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली की खराब हवा की गुणवत्ता विशेष रूप से फेफड़ों के कैंसर के लिए जोखिम को और बढ़ा देती है। डॉ. बब्बर ने बताया कि कई कैंसर का पता अभी भी देर से चलता है क्योंकि लोग शुरुआती लक्षणों को अनदेखा कर देते हैं या डॉक्टर से सलाह लेने में देरी करते हैं। उन्होंने कहा, छोटे नियमित जीवनशैली में बदलाव और समय पर स्क्रीनिंग (जांच) बहुत बड़ा अंतर ला सकते हैं।

औपचारिक तौर पर हरी झंडी मांगी

दिल्ली में 400 किमी सड़कों का अब दिन में भी होगा काम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मार्च 2026 तक 400 किलोमीटर सड़कें फिर से बनाने की योजना है। पहले से ही ट्रैफिक समस्या से जूझ रही दिल्ली में अब दिन में भी कंस्ट्रक्शन का काम शुरू हो सकता है। इसके लिए दिल्ली सरकार ने ट्रैफिक पुलिस से औपचारिक तौर पर हरी झंडी मांगी है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस से हरी झंडी मिलने के बाद दिल्ली की सड़कों पर दिन में भी काम शुरू हो जाएगा और ज्यादा बैरिकेड्स के कारण लोगों को सड़कों पर काफी समस्या का सामना करना पड़ेगा।

दिल्ली पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार, सड़कों को बनाने में तापमान एक बड़ी समस्या बनकर सामने आ रहा है। पीडब्ल्यूडी के अनुसार, नई सड़क बनाने के लिए सतह का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा होना चाहिए। दिल्ली में रात के समय 15 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान फरवरी तक नहीं रहेगा। ऐसे में रात में सड़क निर्माण संभव नहीं हो पाएगा। इसलिए अब दिल्ली सरकार ने दिन में सड़कों का काम शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस से मंजूरी मांगी गई है। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने कहा कि दिन में काम शुरू करना जरूरी है, क्योंकि काम में देरी करने से पूरा प्रोजेक्ट पटरी से उतर जाएगा।

दिल्ली सरकार ने 400 किलोमीटर सड़कों का काम शुरू कर दिया है। यह दर्जनों कॉरिडोर में फैला हुआ है। इसमें से 300 किलोमीटर सड़कें सेंट्रल रोड फंड और 100 किलोमीटर स्टेट रोड फंड के तहत बनाया जा रहा है। इसमें बेहतर ड्रेनेज सिस्टम, सुरक्षित और लगातार चलने वाले फुटपाथ, नए डिज़ाइन वाले जंक्शन, इंटीग्रेटेड मोबिलिटी सुधार किया जाएगा।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने धार विधानसभा क्षेत्र में SIR अभियान के तहत मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

इंदौर। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने आज धार विधानसभा क्षेत्र में SIR अभियान के तहत पीथमपुर के मतदान केंद्र क्रमांक 281, 263 का निरीक्षण किया और BLO से चर्चा कर कार्य के प्रगति की जानकारी ली। इसके अलावा संभागायुक्त ने धरमपुरी विधानसभा क्षेत्र में भी SIR अभियान के तहत बगड़ी एवं मांडव के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया व BLO एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर धार श्री प्रियंक मिश्रा भी साथ थे।संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में दिए गए नवीन निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बीएलओ को निर्देशित किया कि वे आयोग द्वारा जारी निर्देशों का अच्छी तरह से अध्ययन कर लें। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बीएलओ तीन बार मतदाताओं के घर जाएंगे, यह सुनिश्चित करें। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने निर्देशित किया कि कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और अपात्र मतदाता जुड़े नहीं, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही जो व्यक्ति 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहा है, वह भी मतदात सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकता है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म 6, हटवाने के लिए फॉर्म 7 और सुधार या संशोधन के लिए मतदाता को फॉर्म 8 भरना होगा।

'पवन' से निगरानी, प्रदूषण रोकने के लिए बनाया गया खास प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली–एनसीआर में प्रदूषण की रोकथाम और निगरानी के व्यवस्था को पहले से बेहतर बनाने की कवायद शुरू हो गई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने इसके लिए प्रदूषण के खिलाफ काम कर रहीं सभी एजेंसियों को एक डिजिटल प्लेटफार्म पर लाने की तैयारी में है। इसके लिए 'पवन' नाम का एक डिजिटल प्लेटफार्म भी तैयार किया जा रहा है। इस पूरी कवायद का मकसद प्रदूषण से जंग में जुटी एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बनाना है। माना जा रहा है कि अगली सर्दियों से पहले ही यह प्लेटफार्म काम करना शुरू कर देगा।

प्रदूषण पर सीएम रेखा गुप्ता सख्त

लापरवाही पर चालान के साथ होगी FIR की कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में प्रदूषण को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को उच्चस्तरीय बैठक की। इसमें उन्होंने प्रदूषण को लेकर सख्ती बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वह प्रदूषण फैलाने वालों पर चालान के साथ एफआईआर की कार्रवाई करें।

केवल निजी नहीं बल्कि सरकारी संस्थानों द्वारा लापरवाही बरतने पर उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने पीडब्ल्यूडी को भी 1400 किलोमीटर लंबी उनकी सड़कों को 72 घंटे के भीतर गड्ढे मुक्त बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी के प्रदूषण नियंत्रण को लेकर किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमेटी (डीपीसीसी) को निर्देश दिए गए हैं कि प्रदूषण और सफाई में कोताही बरतने वाले सरकारी संस्थानों का चालान काटकर भारी जुर्माना वसूला जाए। इसके साथ ही बिना अनुमति रोड काटने और उसे न भरने वाले सरकारी संस्थानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि 311 ग्रीन ऐप को एक नोडल प्लेटफॉर्म के रूप में और अधिक सशक्त किया जा रहा है। ग्रीन वॉर रूम के माध्यम से गड्ढों, ब्राउन एरिया और

डस्ट हॉटस्पॉट्स की मॉनिटरिंग की जा रही है। वहीं बीएस- से नीचे के वाहनों पर कार्रवाई होगी। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विभाग प्रदूषण को लेकर जिम्मेदारी निभाने में लापरवाही बरत रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की कोताही के लिए विभाग के प्रमुख को जिम्मेदार माना जाएगा। मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी को आदेश दिया है कि अपने अधीन आने वाली 1400 किलोमीटर सड़कों के सभी गड्ढों की पहचान कर उन्हें रिकॉर्ड समय में ठीक करें। डीडीए को आदेश जारी किए कि वह अपनी सड़कों पर सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद रखे और अपनी खाली पड़ी जमीनों से कूड़े को तुरंत हटाए। मेट्रो को कहा कि वह अपनी एलिवेटिड लाइनों के नीचे की सड़कों को तुरंत प्रभाव से ठीक करें और धूल नियंत्रण के लिए प्रभावी उपाय करें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रदूषण नियंत्रण को लेकर एक एक्सपर्ट व उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया है।

विचाराधीन कैदी को 55 तारीखों पर अदालत में पेश नहीं किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र पुलिस द्वारा एक विचाराधीन कैदी को 85 तारीखों में से 55 तारीखों पर निचली अदालत में पेश नहीं किए जाने पर नाराजगी जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के कारागार महानिदेशक को जांच का आदेश दिया है और इसकी रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्ला और प्रशांत कुमार मिश्र की पीठ ने हत्या के प्रयास के एक मामले में आरोपित शशि उर्फ शाही चिकना विवेकानंद जुरमानी को जमानत दे दी, लेकिन इस तथ्य पर गंभीरता से विचार किया कि मुकदमा चलने के बावजूद उसे अदालत द्वारा दी गई 85 तारीखों में से 55 तारीखों पर अदालत में पेश नहीं किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुई वकील सना रईस खान ने दलील दी कि उनके मुवक्किल पर पीड़ित को चाकू से गोदने का आरोप है, जैसा कि गवाह द्वारा दर्ज कराई गई एफआइआर में बताया गया है।

जिहादी कोर्स में 5 हजार महिलाओं की भर्ती, सुसाइड मिशन की ट्रेनिंग

इस्लामाबाद एजेंसी।
बीते मई महीने में भारत के ऑपरेशन सिंदूर में अपना सबकुछ गंवाने वाले आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना ने हाल ही में जैश की महिला विंग को लेकर कई राज उगले हैं। मसूद अजहर ने दावा किया है कि इस महिला विंग में अब तक 5,000 महिलाओं की भर्ती हो चुकी है। मसूद अजहर के मुताबिक इन महिलाओं को कथित तौर पर सुसाइड मिशन के लिए ट्रेनिंग दी जा रहा है। इससे पहले आतंकी मसूद अजहर ने अक्टूबर में जैश की महिला ब्रिगेड, जमात-उल-मोमिनात तैयार करने की घोषणा की थी। जानकारी के मुताबिक इसकी जिम्मेदारी मसूद अजहर की बहन सईदा संभाल रही है। मसूद अजहर ने हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट में खुलासा किया है कि जमात-उल-मोमिनात का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। मसूद अजहर ने बताया कि पिछले कुछ हफ्तों में 5,000 से अधिक महिलाएं इस समूह में शामिल हो चुकी हैं। अजहर ने कहा है कि भर्ती और ट्रेनिंग

को सुविधाजनक बनाने के लिए पाक अधिकृत कश्मीर के कई जिलों में समूह का विस्तार किया जा रहा है। मसूद अजहर के मुताबिक हर जिले में एक महिला प्रमुख, जिसे मुंतजिमा कहा जाएगा के नेतृत्व में एक दफ्तर बनाया जाएगा, जो विंग की गतिविधियों पर नजर रखेगी। इससे पहले जैश-ए-मोहम्मद ने महिलाओं की भर्ती के लिए एक ऑनलाइन जिहादी कोर्स भी शुरू किया था जिसका नाम तुफात अल-मुमिनात रखा गया है। जैश ने इस कोर्स के हर महिला के लिए 500 रुपये की फीस भी निर्धारित की है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान में चरमपंथी गुट महिलाओं का अकेले बाहर जाना ठीक नहीं माना जाता है इसलिए जैश अब महिलाओं की भर्ती के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहा है।

पाकिस्तान बेचेगा सरकारी एयरलाइंस

इज्जत नीलामी' में बोली लगाएगी आसिम मुनीर की फौजी कंपनी

इस्लामाबाद, एजेंसी।
कर्ज के बोझ और आईएमएफ की सख्त शर्तों से जकड़ा कंगाल पाकिस्तान अब अपनी राष्ट्रीय एयरलाइन पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) को बेचने जा रहा है। प्री-क्वालिफाइड चार बोलियों में फौजी फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड भी शामिल है, जो पाकिस्तानी सेना के नियंत्रित फौजी फाउंडेशन का हिस्सा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के हवाले से जारी बयान में कहा गया है कि पीआईए की बोली 23 दिसंबर 2025 को होगी और इसका सभी मीडिया चैनलों पर लाइव प्रसारण किया जाएगा।

डॉन अखबार के मुताबिक, पीआईए में 51 से 100 प्रतिशत तक हिस्सेदारी का विनिवेश आईमएफ के 7 अरब डॉलर के नए बेलआउट पैकेज की प्रमुख शर्तों में से एक है। जियो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, निजीकरण मंत्री मुहम्मद अली ने पिछले महीने रॉयटर्स को बताया था कि इस साल निजीकरण से 86 अरब रुपये की कमाई का लक्ष्य रखा गया है। पीआईए की अंतिम बोली में कुल आय का सिर्फ 15 प्रतिशत हिस्सा सरकार को मिलेगा, बाकी खरीदार कंपनी के पास रहेगा। डॉन के अनुसार, पीआईए का विनिवेश पिछले दो दशकों में पाकिस्तान का पहला बड़ा निजीकरण कदम होगा। बिक्री के लिए चार बोलियों को प्री-क्वालिफाइड किया गया है...लकी सीमेंट कंसोर्टियम, आरिफ हबीब कॉर्पोरेशन कंसोर्टियम, फौजी फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड, एयर ब्लू बता दें कि फौजी फर्टिलाइजर, फौजी फाउंडेशन का हिस्सा है, जो आज पाकिस्तान का सबसे बड़ा कॉर्पोरेट साम्राज्य बन चुका है। उस देश में जहां सेना का हर क्षेत्र में दखल है, मौजूदा सबसे ताकतवर शख्सियत आर्मी चीफ जनरल असिम मुनीर फौजी फाउंडेशन के सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में सीधे तौर पर शामिल नहीं हैं, लेकिन वे क्वार्टरमास्टर जनरल की नियुक्ति करते हैं, जो फाउंडेशन के बोर्ड का अहम सदस्य होता है। इस तरह जनरल मुनीर संस्थागत नियंत्रण के जरिए फौजी फाउंडेशन पर अप्रत्यक्ष मगर पूरा प्रभाव रखते हैं।